भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
08.12.2021 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1812 का उत्तर

बुंदेलखंड में रेल लाइन का दोहरीकरण

1812. श्री आर. के. सिंह पटेल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या बुंदेलखंड में झांसी मंडल और कानपुर मंडल से मानिकपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन (उत्तर मध्य रेलवे) तक रेल लाइन के दोहरीकरण का कार्य किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो इस उद्देश्य के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है; और

(ग) इस संबंध में सम्पूर्ण ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

बुंदेलखंड में रेल लाइन का दोहरीकरण के संबंध में दिनांक 08.12.2021 को लोक सभा में श्री आर. के. सिंह पटेल के अतारांकित प्रश्न संखया 1812 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं को क्षेत्रीय रेलवे-वार स्वीकृत किया जाता है न कि प्रदेश-वार। बहरहाल, रेलवे ने इस क्षेत्र में भीमसेन-झांसी (206 किमी) और झांसी-खैरार-मानिकपुर और खैरार-भीमसेन (425 किमी) का दोहरीकरण शुरू किया है। इन परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

बजट 2016-17 में झांसी-खैरार-मानिकपुर और खैरार-भीमसेन (425 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना की स्वीकृत लागत 4330 करोड़ रु. है। परियोजना पर निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं। अब तक, इस परियोजना पर 60.61 करोड़ रु. का खर्च किया गया है। वित्त वर्ष 2021-22 में इस परियोजना के लिए 250 करोड़ रु. का परिव्यय (मूल बजट परिव्यय 50 करोड़ रु. और 200 करोड़ रु. का अतिरिक्त परिव्यय) प्रदान किया गया है।

भीमसेन - झांसी (206 किमी) का दोहरीकरण 2012-13 में स्वीकृत किया गया था। परियोजना की स्वीकृत लागत 2204 करोड़ रु. है। अब तक, इस परियोजना पर 1711 करोड़ रु. का खर्च किया गया है। वित्त वर्ष 2021-22 में इस परियोजना के लिए 457.94 करोड़ रु. का परिव्यय (मूल बजट परिव्यय 300 करोड़ रु. और 157.94 करोड़ रु. का अतिरिक्त परिव्यय) प्रदान किया गया है। मार्च 2021 तक, परियोजना की 105 किलोमीटर लंबाई को चालू कर दिया गया है और चौराह-मलासा (19.14 किलोमीटर) को सितंबर 2021 में चालू कर दिया गया है। इस परियोजना के शेष खंड में कार्य शुरू कर दिया गया है।

किसी रेल परियोजना/ओं का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, बाधक जनोपयोगी सेवाओं की शिफ्टिंग, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना साइट के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए परियोजना विशेष की साइट के लिए एक वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना दर परियोजना भिन्न-भिन्न होते हैं और परियोजना/ओं के समापन समय को प्रभावित करते हैं। तथापि, रेलें इन परियोजनाओं को शीघ्रातिशीघ्र पूरा करने के लिए सभी प्रयास कर रही हैं।

*****